SONAM BALA
(DEPT. OF GEOGRAPHY)
A.N.D. COLLEGE, SHAHPUR PATORY, SAMASTIPUR
17th MAY 2020
SUNDAY

FOR B.A.-II (Hons)
PAPER-3, GEOGRAPHY OF INDIA & BIHAR

LECTURE-45

UNIT-4 INTRODUCTION OF SETTLEMENT

अधिवास का परिचय

'आश्रय' मानव की मूल आवश्यकताओं में से एक है। मानव जिस स्थान को आश्रय के लिए चुन लेता है और वहाँ आश्रय हेतु जिन मकानों, घरों, झोपड़ियों आदि का निर्माण करता है, वह उसका अधिवास कहलाता है। इन्हीं के द्वारा मानवीय बस्तियों का निर्माण होता है। इन मानवीय बस्तियों को विभिन्न नामों से पुकारा जाता है। चाहे वो घास-फूस की झोपड़ियाँ हो या कोई वृक्षों की टहनियों एवं पत्तों से बनी कुटिया, मिट्टी या लकड़ी का घर हो या ईंटों से बना हुआ मकान, सीमेंट, कंकरीट की बनी इमारत हो या कोई आधुनिक ऊँची अट्टालिका चाहे वह किसी निरक्षरी की कुटिया हो या राजा का राजमहल।

चूँकि मानव एक सामाजिक प्राणी है अतः उसके अधिवास हमारे सांस्कृतिक वातावरण के अंग है, जिसका निर्माण वह प्राकृतिक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करके करता है। यही कारण है कि किसी क्षेत्र के मानवीय अधिवासों को देखकर हम वहाँ के मानव की संस्कृति, उनके सामाजिक आर्थिक एवं औद्योगिक विकास का अनुमान लगा सकते हैं। अतः अधिवासों का अध्ययन मानव भूगोल के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है। मानवीय अधिवासों के अंतर्गत मानव के आश्रय हेतु बने मकानों को तो लिया जाता है, इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के कल-कारखानों, कार्यालयों, शैक्षणिक

Scanned by CamScanner

धार्मिक संस्थाओं आदि से संबंधित भवनों को भी अधिवास के अंतर्गत रखा जाता है। मानव अधिवास से अभिप्राय मानव द्वारा रचित उस रचना से है जो उसके रहने अथवा कार्य करने या अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बनायी गयी है। ये अधिवास मानव के सांस्कृतिक वातावरण का अभिन्न अंग होते हैं। इनके निर्माण में इसे भौतिक परिस्थितियों में आवश्यक एवं अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन करने पड़ते हैं। इन परिवर्तनों के फलस्वरूप कई बार क्षेत्र विशेष की भौतिक रचना में और अधिवास के प्रतिरूप में अंतर स्पष्टतः दृष्टिगोचर होने लगता है।

अधिवास के प्रकार
(TYPES OF SETTLEMENTS)

अधिवास दो प्रकार के होते हैं:—

1) स्थायी अधिवास (Permanent Settlements)
2) अस्थायी अधिवास (Temporary Settlements)

स्थायी अधिवास → स्थायी बस्तियाँ सुविधायुक्त क्षेत्रों में मिलती हैं, जहाँ भूमि समतल एवं उपजाऊ हो पर्याप्त जल की उपलब्धता सुरक्षित मानव जीवन, परिवहन के साधन इत्यादि।

अस्थायी अधिवास → ये मुख्यतः शिकारी, चरवाहें तथा प्राचीन ढंग से खेती करने वाले कृषकों अथवा जहाँ पशुपालन ऋतु के अनुसार ऊँचे पहाड़ी भागों या घाटियों में स्थानांतरण होता रहता है।

Scanned by CamScanner